राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल

सम्पर्क सरिता

वर्ष–16, अंक–03 सितम्बर 2015 से दिसम्बर 2015

निटर, भोपाल में सोमालिया के राष्ट्रपति का भव्य स्वागत

भोपाल से सीखा, सोमालिया के शिक्षा सुधार में काम आया – श्री हसन शेख मेहमूद

निटर, भोपाल के लिये यह बड़े गौरव की बात है कि सोमालिया राष्ट्र के वर्तमान राष्ट्रपति महामहिम श्री हसन शेख मेहमूद ने अपने छात्र जीवन का महत्वपूर्ण समय निटर, भोपाल में बिताया है। सोमालिया के राष्ट्रपति महामहिम हसन शेख महमूद निटर, भोपाल में मास्टर ऑफ टेक्निकल एजुकेशन पाठ्यक्रम के 1986–88 सत्र में अध्यनरत् थे। उनका दिनांक 31 अक्टूबर 2015 को निटर, भोपाल में गरिमामय समारोह में भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के संकायगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छात्र उपस्थित थे। वे बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक विशेष दीक्षांत समारोह में भाग लेने भोपाल आये हुए थे। संस्थान के निदेशक प्रो. डी.एस. करौलिया द्वारा सोमालिया के महामहिम राष्ट्रपति श्री हसन शेख मेहमूद का स्वागत किया गया। प्रो. करौलिया ने महामहिम हसन शेख मेहमूद का परिचय देते हुए उनके छात्र के रूप में एनआईटीटीटीआर में बिताए समय को याद करते हुए कहा कि आज इस संस्थान के लिये गर्व का विषय है कि श्री हसन इस संस्थान में आये हैं। श्री हसन शेख अपने छात्र जीवन में समर्पित, प्रतिभावान, कर्मठ एवं लगनशील विद्यार्थी थे। सभागार में उपस्थित सभी ने श्री हसन शेख मेहमूद के छात्र जीवन में उनके द्वारा प्रोजेक्ट के प्रस्तुतिकरण पर बनी फिल्म का अवलोकन किया जिसे संस्थान द्वारा सहेज कर रखा गया था। सोमालिया के राष्ट्रपति महोदय श्री हसन शेख मेहमूद ने अपने उद्बोधन में संस्थान में छात्र के रूप में बिताए समय को याद किया एवं भोपाल भ्रमण के दौरान संस्थान परिसर में आने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पूर्व शिक्षकों एवं कर्मचारियों को भी याद किया। श्री हसन शेख सभी से व्यक्तिगत रूप से मिले और उनकी शुभकामनाएँ ली। महामहिम ने भारत और सोमालिया के राजनैतिक संबंधों के विषय में भी अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि भारत और अफ्रीकी देशों के बीच एक आत्मीय संबंध है, इसलिए भारत की प्रगति का प्रभाव अफ्रीकी देशों की प्रगति के रूप में देखा जा सकता है। महामहिम ने अपने उद्बोधन मे कहा कि उनके द्वारा भोपाल से प्राप्त की गई शिक्षा अफ्रीकी देशों की प्रगति में उनके योगदान के लिये बहुत सहायक रही है। उन्होंने सोमालिया की समस्याओं पर बात करते हुए कहा कि सोमालिया प्राकृतिक संसाधनों के रहते हुए भी बहुत पिछड़ा है, इसका मुख्य कारण वहाँ शिक्षा का अभाव है, लेकिन अब इस ओर सुधार के भरसक प्रयत्न किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत के छात्र भाग्यशाली हैं जिन्होंने वृहद स्तर पर वैसी मूलभूत आवश्यकताओं का अभाव नहीं देखा है जैसा सोमालिया के छात्रों ने देखा है। इसकी कीमत को भारतीय छात्र समझें

कार्यक्रम को सम्बोधित करते श्री हसन शेख मेहमूद

महामहिम श्री हसन शेख मेहमूद की संस्थान में अगवानी करते निदेशक प्रो. डी. एस. करौलिया

और सिर्फ विकास को केन्द्र बिन्दु मान कर आगे बढ़ें और राजनीति करें भी, तो सिर्फ देश के विकास के लिये। उन्होंने कहा कि भारत को नई ऊँचाईयां छूने में निश्चित ही निटर के छात्र अपना योगदान देंगे। महामहिम ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वे गंदी राजनीति न करें, उन्हें अच्छी और विकास की राजनीति करना चाहिए। भारत सुपर पावर देश बन रहा है, ऐसे में अच्छी राजनीति भारत को और सशक्त बनाएगी। कार्यक्रम के दौरान मंच पर महामहिम के साथ उन्हें शिक्षित करने वाले संस्थान के वर्तमान एवं सेवानिवृत्त प्राध्यापक मौजूद थे। महामहिम राष्ट्रपति ने अपने पुराने दिनों के साथियों को याद किया और संस्थान के अतिथिगृह से जुड़े सभी कर्मचारियों से भी मुलाकात कर उस समय उनके साथ बिताये पलों को याद किया। उन्होंने कहा कि संस्थान के इन कर्मचारियों ने मुझे हिन्दी की बोलचाल की भाषा भी सिखाई थी। उन्होंने संस्थान के अतिथिगृह में अपने कमरे को देखने की भी इच्छा जताई। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि महामहिम श्री हसन शेख मेहमूद को निदेशक महोदय द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। अधिष्ठाता प्रशासन डॉ. आर.के. दीक्षित द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। इस कार्यक्रम की संयोजक प्रो. किरण सक्सेना थी। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अनिता लाला द्वारा किया गया।

अपने छात्र जीवन में प्रोजेक्ट की प्रस्तुति देते श्री हसन शेख मेहमूद

श्री हसन शेख मेहमूद से मिलते प्रो. एस. जेड. हेदर

यह सुखद आश्चर्य है कि इतने वर्षो के बाद भी श्री हसन शेख मेहमूद ने अपने सभी शिक्षकों के साथ पुराने अनुभवों को याद किया। किसी राष्ट्र के सर्वोच्च पद पर पहुंचा व्यक्ति आज अपने शिक्षकों से एक छात्र के रूप में बड़ी सहजता से मिला। यह सुखद अनुभव है कि श्री हसन शेख मेहमूद ने एनआईटीटीटीआर आने के पूर्व अपने सभी शिक्षकों से मिलने की इच्छा व्यक्त की। एक सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति की अपने शिक्षकों एवं शिक्षण संस्थान के प्रति आस्था एवं प्रेम की यह अनुपम अभिव्यक्ति थी। हम सभी अपने इस प्रिय विद्यार्थी की उपलब्धि पर गौरवान्वित हैं।

प्रो. एस.जेड. हैदर

निटर, भोपाल विकसित करेगा एम.एस.बी.टी.ई. हेतु पाठ्यक्रम

दिनांक 5 दिसंबर 2015 को महाराष्ट्र राज्य बोर्ड ऑफ टेक्निकल एजुकेशन में आयोजित बैठक में एम.एस.बी.टी.ई. के निदेशक प्रो. अभय बाघ ने निटर, भोपाल से एम.एस.बी.टी.ई. द्वारा चलाये जा रहे 25 विभिन्न डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को नये सिरे से विकसित करने का अनुरोध किया, जिसे निटर, भोपाल ने सहज स्वीकार किया है। बैठक में संस्था के निदेशक प्रो. डी.एस. करौलिया ने सुझाव दिया कि जी.टी.यू. अहमदाबाद की तर्ज पर इन पाठ्यक्रमों को भी एन.बी.ए. के दिशा निर्देशों के अनुरूप आउटकम बेस्ड बनाया जाये। यह भी निश्चित किया गया कि उद्योगों की आवश्यकतानुसार छात्रों में दक्षताओं के विकास का ध्यान भी इन पाठ्यक्रमों में रखा जायेगा और इस हेतु पाठ्यक्रम विकास के पूर्व उद्योगों का सर्वेक्षण किया जायेगा। छात्रों में रोजगारोन्मुखी क्षमताओं के विकास के लिये पाठ्यक्रम में अधिक प्रयोगशाला कार्य, सेमिनार, मिनी प्रोजेक्ट एवं इंटरनेट आधारित कार्यों का अधिक से अधिक समावेश किया जायेगा। इस बैठक में संस्था की ओर से प्रो. जोशुआ अर्नेस्ट एवं प्रो. शशिकांत गुप्ता भी उपस्थित थे।

संविधान दिवस पर व्याख्यान

भारतीय संविधान की प्रस्तावना विषय पर व्याख्यान देते प्रो. एस.एस. सिंह

दिनांक 26 नवम्बर 2015 को राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 125–वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर देश के जाने–माने विधि विशेषज्ञ एवं राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय, भोपाल के निदेशक प्रो. एस. एस. सिंह का व्याख्यान ''भारतीय संविधान की प्रस्तावना'' विषय पर आयोजित किया गया। अपने संबोधन में प्रो. सिंह ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना में लिखे गए प्रत्येक शब्द में निहित विचारों एवं उनकी प्रासंगिकता पर गहराई से प्रकाश डाला एवं भारतीय संविधान की विशेषताओं से अवगत करवाया। उन्होंने भारतीय संविधान की निर्माण प्रक्रिया एवं तत्कालीन संविधान सभा द्वारा संविधान निर्माण के लिये किये गये प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने भारतीय संविधान की तुलना विभिन्न राष्ट्रों के संविधानों से करते हुए इसकी विशेषताएं बताई। उन्होंने अमरीकी संविधान और भारतीय संविधान की तुलना भी की। अपने व्याख्यान के अंत में प्रो. सिंह ने छात्रो द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी दिये। संस्थान के निदेशक प्रो. डी.एस.करौलिया ने प्रो. सिंह का स्वागत करते हुए कहा कि हमें हमारे संविधान के बारे में जानकारी होना जरूरी है। यह एक सुखद अवसर है कि जब हमें हमारे संविधान के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। प्रो. आर.के.दीक्षित ने प्रो. सिंह का परिचय दिया। प्रो. व्ही.एच.राधाकृष्णन ने आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम के आयोजन में प्रो. पी.के.पुरोहित, प्रो. प्रभाकर सिंह एवं प्रो. अभिलाष ठाकुर ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

म.प्र. के पॉलिटेक्निक में नवनियुक्त शिक्षकों के लिये विशेष इंडक्शन कार्यक्रमों का आयोजन

एनआईटीटीआर, भोपाल द्वारा म.प्र. राज्य के विभिन्न पॉलिटेक्निक संस्थानों में हाल ही में नियुक्त शिक्षकों हेतु विशेष इंडक्शन कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा आयोजित आठ विशेष इंडक्शन कार्यक्रमों के प्रत्येक बैच में 40–40 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इस प्रकार लगभग 320 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जायेगा। इन प्रतिभागियों को तकनीकी शिक्षा की चुनौतियां, तकनीकी संस्थाओं में उनके उत्तरदायित्व, शिक्षण एवं सीखने के सिद्वांत, एनबीए एक्रीडिटेशन की प्रक्रिया एवं उनसे संबंधित दस्तावेजों का निर्माण, संचार कौशल, शिक्षण विधियां, शिक्षण कार्य योजना बनाना, विद्यार्थियों का मूल्यांकन, शैक्षणिक माध्यमों का विकास, गाईडेंस एवं काउंसलिंग, प्रयोगशाला प्रबंधन आदि महत्वपूर्ण विषयों पर गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसके साथ ही इन प्रशिक्षणार्थियों द्वारा तैयार अपने व्याख्यान के प्रस्तुतिकरण की वीडियो रिकार्डिंग द्वारा स्वयं का मूल्यांकन भी किया जा रहा है। इन नवनियुक्त शिक्षकों ने इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अपने लिये अतिमहत्वपूर्ण माना तथा प्रो. आशीष डोंगरे, संचालक, तकनीकी शिक्षा म.प्र., प्रो. डी.एस.करौलिया, निदेशक, एनआईटीटीटीआर, भोपाल, प्रो.आर.एस. राजपूत, उपसंचालक, तकनीकी शिक्षा म.प्र., प्रो. पी.के.पुरोहित, म.प्र. समन्वयक, प्रो. आर.पी.खंबायत एवं प्रो. किरण सक्सेना के प्रति आभार व्यक्त किया। संचालक, तकनीकी शिक्षा म.प्र. प्रो.अशीष डोंगरे ने नवनियुक्त शिक्षकों के तीसरे बैच को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों एवं उनसे निपटने हेतु अपना महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। इसके बाद विभिन्न तिथियों में प्रो. आर.एस.राजपूत एवं श्री ए.के.भदौरिया, प्राचार्य, पॉलिटेक्निक कॉलेज, बैतूल ने प्रशिक्षणार्थियों को व्याख्यान दिये। उक्त कार्यक्रमों के आयोजन में निटर, भोपाल के संकाय सदस्यों द्वारा महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है।

सेवानिवृत्त संकाय सदस्यों का संस्थान में आगमन

दिनांक 1 अक्टूबर 2015 को निटर के दो पूर्व प्राध्यापक प्रो. एस.डी. पत्की एवं डॉ. आर.एस. महाशब्दे नें संस्थान के संकायगणों को संबोधित किया। प्रो. पत्की ने संस्थान में प्रारंभ से ही अपनी सेवाएं दी है और वे कोलम्बो प्लान स्टाफ कॉलेज मनीला में लम्बे समय तक भारत द्वारा नामित संकाय सदस्य के रूप में भी रहे। उन्होंने सभी से संस्थान के गौरवपूर्ण इतिहास को सामने रखकर संस्थान के भविष्य के कार्यों के लिये भी सुझाव दिये। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में चारों निटर का बड़ा योगदान रहा है और इन्हें समय–समय पर सराहा गया है। संस्थान ने बदलती आवश्यकताओं को पहचान कर हमेशा अपनी सेवाओं को नये आयाम दिये और टीम वर्क के बल पर बड़ी से बड़ी जिम्मेदारियों को पूरा किया।

डॉ. महाशब्दे ने महाराष्ट्र राज्य के विस्तार केन्द्र में अपनी सेवायें दी थी। उन्होंने महाराष्ट्र राज्य में तकनीकी शिक्षा विशेषकर डिप्लोमा एजुकेशन में पाठ्यचर्या विकास, लेबोरेटरी डेवलपमेंट, प्रश्न बैंक विकास इत्यादि परियोजनाओं में निटर, भोपाल के योगदान की चर्चा की। उन्होने सभी संकाय सदस्यों से बदलते परिपेक्ष्य के अनुरूप स्वयं की योग्यताओं को विकसित करने पर जोर दिया। प्रभारी निदेशक डॉ. आर. के. दीक्षित ने दोनों भूतपूर्व संकाय सदस्यों के योगदान को याद किया और कहा कि निटर की परंपराओं के अनुरूप इंटर डिसिप्लिनरी टीम वर्क ही हमारा ध्येय है जिससे हम आज के युग में तकनीकी शिक्षा के उन्नयन में कार्य कर सकते हैं।

गुजरात प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जी.टी.यू.) का पाठ्यक्रम विकास आउटकम बेस्ड

एनआईटीटीटीआर, भोपाल ने गुजरात प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित चौबीस डिप्लोमा इंजीनियरिंग प्रोग्राम हेतु एन.बी.ए. के दिशा निर्देशों के आधार पर पाठ्यक्रम विकास का कार्य लगभग पूर्ण कर लिया है। पाठ्यक्रम विकास का यह कार्य फरवरी 2012 में प्रारंभ हुआ था और विकसित पाठ्यक्रम जी.टी.यू. की वेबसाईट पर अपलोड हो चुका है तथा इस पाठ्यक्रम के आधार पर विधार्थियों का एक बैच शिक्षा गृहण कर उपाधि ले चुका है। उल्लेखनीय है कि भारत में पहली बार प्रदेश स्तर के किसी तकनीकी विश्वविद्यालय में आउटकम बेस्ड पाठ्यक्रम विकसित किया गया है। इस पाठ्यक्रम की अन्य प्रमुख विशेषता इंडस्ट्रीज़ द्वारा चाही गई दक्षताओं का पाठ्यक्रम में समावेश हैं। इस पाठ्यक्रम में हर विषय के कोर्स आउटकम तथा पूरे प्रोग्राम के प्रोग्राम आउटकम भी निश्चित कर उनकी आपस में मेपिंग की गई है। रोजगारोन्मुखी कौशल विकसित करने के लिये प्रेक्टिकल, सेमीनार, मिनी प्रोजेक्ट आदि का विशेष समायोजन किया गया है। मुख्य ब्रांच जैसे सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, कम्प्युटर आदि के विभिन्न क्षेत्रों में दक्षता विकसित करने के लिये हर ब्रांच की विभिन्न स्ट्रीम्स् में तीन–तीन एडवांस विषय ऐच्छिक विषय के रूप में रखे गये है ताकि विद्यार्थी अपनी पसंद की स्ट्रीम में इन विषयों के माध्यम से दक्षता प्राप्त कर सकें। पाठ्यक्रम में से अनावश्यक जानकारी को हटाने के उद्देश्य से आधार विषय जैसे भौतिकी, रसायन, गणित, ड्राईंग और वर्कशाप को इंजीनियरिंग की ब्रांच के अनुरूप बनाया गया है। पहली बार सिविल इंजीनियरिंग वर्कशॉप का विषय लागू किया। उपरोक्त पाठ्यक्रमों की विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा उद्यमियों ने प्रशंसा की है। अक्टूबर 2015 में एन.बी.ए. की नई दिशा निर्देश आने के बाद पाठ्यक्रम को नये दिशा निर्देशों के अनुसार तथा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के सुझावों के आधार पर पुनः संशोधित किया गया है और संशोधित पाठ्यक्रम शीघ्र ही जी.टी.यू. को दिया जायेगा।

प्रो. एस.के. प्रधान अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में

मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.के.प्रधान ने युनिवर्सिटी ऑफ जुब्लियाना द्वारा स्लोवेनिया (यूरोप) की राजधानी जुब्लियाना में दिनांक 07 से 10 सितम्बर 2015 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 'इंजीनियरिंग वाईर्वेशन–2015' में भाग लिया एवं अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

संस्थान में आयोजित राजभाषा एवं अन्य गतिविधियॉ

- ''राष्ट्रभाषा हिन्दी में तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा–चुनौतियॉ तथा समाधान'' विषय पर 6–7 सितम्बर 2015 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन एनआईटीटीटीआर, चण्डीगढ़ में आयोजित हुआ। इस सम्मेलन में प्रो.एन.पाटीदार, प्रो. एस.एस. केदार, प्रो. ए.एस. वाल्के, श्री प्रकाश नारायण, श्री अभय दुबे ने भाग लिया।
- 14 सितम्बर 2015 को संस्थान में ''हिन्दी दिवस'' श्रीमती साधना त्रिपाठी, सहायक निदेशक (कार्यान्वयन) के मुख्य आतिथ्य में मनाया गया।
- हिन्दी दिवस के अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. दशरथ सिंह करौलिया द्वारा अपील जारी की गई तथा सभी अधिकारी एवं कर्मचारीगण से हिन्दी में कार्य करने हेतु आवाहन किया गया। हिन्दी दिवस के अवसर पर अध्यक्ष, नराकास महोदय द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्या.), भोपाल के सदस्य कार्यालयों को भी हिन्दी में कार्य करने हेतु संदेश भेजा गया ।

- हिन्दी पखवाड़े/माह के अन्तर्गत निबन्ध लेखन, भाषण एवं पोस्टर प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई।
- राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 69वीं बैठक 03 सितम्बर 2015 को प्रो. आर.के. दीक्षित, प्रभारी निदेशक की अध्यक्षता में तथा 70वीं बैठक 08 दिसम्बर 2015 को प्रो. डी.एस. करौलिया निदेशक एवं अध्यक्ष, नराकास की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2015 की द्वितीय छःमाही बैठक 23 दिसम्बर 2015 को प्रो. डी.एस. करौलिया निदेशक एवं अध्यक्ष नराकास की अध्यक्षता में संस्थान के राजीव गांधी सभागार में आयोजित की गई।
- राष्ट्रीय हिन्दी अकादमी रूपाम्बरा, कोलकाता द्वारा 2 से 4 अक्टूबर 2015 को रायपुर (छत्तीसगढ़) में आयोजित 28वें अखिल भारतीय राजभाषा साहित्य सम्मेलन में 04 अधिकारी/कर्मचारीगण को नामित किया गया। उक्त सम्मेलन में संस्थान को हिन्दी के प्रगामी प्रयोग एवं कार्यान्वयन की दिशा में किये गये उत्कृष्ट कार्यों के लिये अन्तर्राष्ट्रीय अकादमी राजभाषा शील्ड सम्मान प्रदान किया गया। संस्थान द्वारा जारी की जा रही पत्रिका ''सम्पर्क सरिता'' हेतु भी अकादमी द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय अकादमी राजभाषा पत्रिका शील्ड सम्मान पत्रिका में हिन्दी प्रयोग तथा कार्यान्वयन की दिशा में प्रमुख भूमिका निभाने एवं हिन्दी की पाठक–प्रियता को बढ़ावा देने हेतु प्रदान किया गया। उक्त सम्मेलन में संस्था की ओर से डॉ. बशीरउल्लाह शेक, श्री आर.के. शुक्ला, श्री अनिल कथूरिया एवं श्रीमती मोहिनी कथूरिया द्वारा भाग लिया गया
- भारतीय भाषा एवं संस्कृति केन्द्र, नई दिल्ली द्वारा 29–31 अक्टूबर 2015 तक गोवा में आयोजित ''अखिल भारतीय राजभाषा प्रशिक्षण शिविर एवं सम्मेलन'' में राजभाषा के क्षेत्र में सर्वोत्तम कार्य निष्पादन के लिये संस्थान को ''राजभाषा शिरोमणि पुरस्कार'' से नवाजा गया। उक्त सम्मेलन में श्री डी.के. तिवारी, प्रशासकीय अधिकारी, श्रीमती मोहिनी कथूरिया एवं सुश्री कविता मेंघानी को नामित किया गया था।

- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में प्रभावी संप्रेषण एवं व्यक्तित्व विकास तथा भंडार प्रबंधन एवं क्रय प्रक्रियाएं विषय पर हिन्दी कार्यशालाएं क्रमशः 15–16 सितम्बर 2015 एवं 04–05 नवम्बर 2015 को आयोजित की गई।
- टेक्यूप–2 परियोजना के अन्तर्गत् दिनांक 7 से 11 दिसम्बर 2015 तक ''लेब एण्ड वर्कशॉप – यूज, मैनेजमेंट एण्ड मेन्टेनेन्स'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, बिलासपुर में किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. ए.के.सराठे व प्रो. ए.एस. वाल्के ने अपना योगदान दिया। इस कार्यक्रम में 32 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- एस.वी.एन.आई.टी., सूरत में ''असेसमेंट टूल्स विद् रिफरेंस टू एनबीए एक्रीडिटेशन'' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 02 एवं 03 नवम्बर 2015 को किया गया। इस कार्यशाला के समन्वयक डॉ. संजय अग्रवाल थे एवं डॉ. के. के.पाठक ने संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया।

निटर, भोपाल का नया अकादमिक कैलेण्डर निर्माण की प्रक्रिया में

निटर, भोपाल के नये अकादमिक कैलेण्डर के निर्माण प्रक्रिया में विभिन्न राज्यों से आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिये सुझाव आमंत्रित किये गये थे, जिसमें मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात एवं महाराष्ट्र राज्य से अधिक संख्या में कार्यक्रमों की सूची प्राप्त हुई है। इन कार्यक्रमों में इंडक्शन कार्यक्रमों के अतिरिक्त एनबीए एक्रीडिटेशन, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विषयों के अतिआधुनिक सॉफ्टवेयर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्मिलित हैं। यह अकादमिक कैलेण्डर प्रो. व्ही. एच. राधाकृष्णन की अध्यक्षता एवं प्रो. पराग दुबे के सहयोग से पूर्ण किया जा रहा है। आगामी वर्ष में लगभग 225 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

ऑल सेंट्स स्कूल, भोपाल के लिये ''संकाय विकास'' कार्यक्रम

ऑल सेंट्स स्कूल, भोपाल के शिक्षकों के लिये शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा दिनांक 22 दिसम्बर को ''संकाय विकास'' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन निटर, भोपाल में किया गया। शिक्षा और प्रशिक्षण प्रणाली में उभरती प्रवृत्तियों का परिचय, उन्नत शिक्षण विधियों का अवलोकन, अनुदेशात्मक मीडिया के उपयोग, प्रभावी शिक्षण अधिगम के लिए संचार कौशल इत्यादि विषय पर प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस कार्यशाला के समन्वयक डॉ. आर.पी. खम्बायत थे तथा डॉ. अजीत दीक्षित एवं डॉ. अंजना तिवारी ने संकाय सदस्य के रूप में अपना सहयोग प्रदान किया।

एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा सितंबर से दिसंबर माह तक संपन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम

No.	Title of the Programme	Duration	Venue
1.	Web based Courseware Development	07-11-Sept-2015	Bhopal
2.	i-Teaching	07-11-Sept-2015	Bhopal
3.	Leadership Development	07-11-Sept-2015	Bhopal
4.	Induction Programme for Vocational Instructors under PWD Scheme	07-11-Sept-2015	Bhopal
5.	Induction Phase-II	07-18-Sept-2015	Bhopal
6.	Induction Phase-II	07-18-Sept-2015	Bhopal
7.	Master CAM for Beginners	07-11-Sept-2015	Bhopal
8.	Java Programming	14-18-Sept-2015	Bhopal
9.	TOT for Entrepreneurship Development	14-18-Sept-2015	Bhopal
10.	Alternate Fuels	21-25-Sept-2015	Bhopal
11.	LINUX Server Administration	21-25-Sept-2015	Bhopal
12.	VHDL Programming	21-25-Sept-2015	Bhopal
13.	Communication, Presentation and Negotiation Skills	21-25-Sept-2015	Bhopal
14.	Project Planning and Financial Management	28-02-Oct-2015	Bhopal
15.	प्रभावी संप्रेषण और व्यक्तित्व विकास	15-16-Sept-2015	Bhopal
16.	Preparing for NBA Accreditation	07-11-Sept-2015	Raipur
17.	Innovative Teaching Learning Methods	07-11-Sept-2015	Jagdalpur
18.	Training Programme for Sub-Engineers of M.P. Police Housing Corporation Limited, Bhopal	15-01-Oct-2015	Bhopal
19.	Effective Teaching Learning	08-10-Sept-2015	Surat
20.	Lab Manual Development	21-25-Sept-2015	Raipur
21.	Research Methodology	07-11-Sept-2015	Goa
22.	Leadership Development	07-11-Sept-2015	Pune
23.	Industry Institute Partnership	21-25-Sept-2015	Pune
24.	People Management and Team Building	21-25-Sept-2015	Pune
25.	Office Automation	21-25-Sept-2015	Pune
26.	Environmental Pollution and E-Waste Management	05-09-Oct-2015	Bhopal
27.	Stability Analysis in Power System	05-09-Oct-2015	Bhopal
28.	3D Animation	05-16-Oct-2015	Bhopal
29.	Organizational Effectiveness	05-16-Oct-2015	Bhopal
30.	Induction Phase-I	05-16-Oct-2015	Bhopal
31.	TOT for Welding Instructors under CDTP Scheme	05-09-Oct-2015	Bhopal
32.	Guidance and Counseling Skills	12-16-Oct-2015	Bhopal

एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा सितंबर से दिसंबर माह तक संपन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम

No.	Title of the Programme	Duration	Venue
33.	Core Teaching Skills	12-16-Oct-2015	Bhopal
34.	Advanced AutoCAD (3D)	26-30-Oct-2015	Bhopal
35.	Virtual Instrumentation & Circuit Simulation using LABVIEW & MULTISIM	26-30-Oct-2015	Bhopal
36.	Research in Educational Media	26-30-Oct-2015	Bhopal
37.	Research Methodology and Academic Writing	26-06-Nov-2015	Bhopal
38.	Operation and Maintenance of Lab Equipments	26-30-Oct-2015	Bhopal
39.	NBA Accreditation	02-04-Oct-2015	Nagpur
40.	Orientation Programme on Revision of Curriculum	27-30-oct-2015	Pune
41.	Training of Teachers on Information & Communication Technology	26-30-Oct-2015	Bhopal
42.	Soft Skill Development and Pre	13-Oct-2015	Bilaspur
	Placement Training	14-Oct-2015	
	Prog. Under TEQIP-II	15-Oct-2015	
43.	Induction Phase-I	26-06-Nov-2015	Ahmadabad
44.	Auto CAD	05-16-Oct-2015	Goa
45.	Making Mathematics Easy for Students	26-30-Oct-2015	Goa
46.	Change Management	05-09-Oct-2015	Pune
47.	Entrepreneurship Development	26-30-Oct-2015	Pune
48.	Application of GIS and Remote Sensing	02-06-Nov-2015	Bhopal
49.	MATLAB Software with Control System	02-06-Nov-2015	Bhopal
50.	Web Site Development	02-06-Nov-2015	Bhopal
51.	Android Application Development	16-20-Nov-2015	Bhopal
52.	Recent Trends in Power Industry	16-20-Nov-2015	Bhopal
53.	Women Empowerment	16-20-Nov-2015	Bhopal
54.	TOT for Employable Skills Development	16-20-Nov-2015	Bhopal
55.	Induction Programme for Vocational Instructors under CDTP Scheme	16-20-Nov-2015	Bhopal
56.	Induction Phase-I	16-27-Nov-2015	Bhopal
57.	Computer Networking using Windows Server	23-27-Nov-2015	Bhopal
58.	Managing People and Stress at Work	23-27-Nov-2015	Bhopal
59.	Case Method and Writing	23-27-Nov-2015	Bhopal
60.	Library Management	23-27-Nov-2015	Bhopal
61.	Training of Trainers for 21st Century	30-11-Dec-2015	Bhopal
62.	Induction Phase-I	30-11-Dec-2015	Bhopal
63.	''भण्डार प्रबंधन एवं क्रय प्रक्रियाएं''	04-05-Nov-2015	Bhopal
64.	PC Maintenance & Trouble Shooting	16-20-Nov-2015	Raipur
65.	Advance* Pedagogy and Managing Learning Process	30-04-Dec-2015	Mumbai
66.	Renewable Energy Solutions for Sustainable Development	16-20-Nov-2015	Goa
67.	Modern Instructional Media	02-06-Nov-2015	Pune
68.	i-Teaching	16-20-Nov-2015	Pune
69.	Innovative Techniques of Teaching Mathematics and Science	30-04-Dec-2015	Pune
70.	Light and Light based Technologies	07-11-Dec-2015	Bhopal
71.	Design and Development of Dynamic Web site	07-18-Dec-2015	Bhopal
72.	VLSI and Embedded System Design	07-11-Dec-2015	Bhopal
73.	Developing Employable Skills	07-11-Dec-2015	Bhopal
74.	2D Animation	07-18-Dec-2015	Bhopal
75.	Climate Change, and Scenario Development for Policy Analysis	07-18-Dec-2015	Bhopal
76.	Induction Phase-II	07-18-Dec-2015	Bhopal
77.	Mechatronics	14-18-Dec-2015	Bhopal
78.	Induction Phase-I	14-25-Dec-2015	Bhopal
79.	Research Methodology and Academic Writing	21-01-Jan-2016	Bhopal
80.	Designing and Development Outcome Based Curriculum	01-03-Dec-2015	Aurangabad
81.	Faculty Development Programme	22-Dec-2015	Bhopal
82.	Induction Program Phase – I	14-25-Dec-2015	VIT, Pune
83.	Accreditation and Outcome based Curriculum	21-25-Dec-2015	V.V. Nagar
84.	Quality Management Systems/ Quality Technology Tools (QMS/QT Tools) for Polytechnic Teachers	28-01-Jan-2016	Ahmedabad
85.	Advance in Nano technology	28-01-Jan-2016	Ahmedabad
86.	Induction Training Programme Phase-II	14-25-Dec-2015	Ahmedabad
87.	Induction Phase-II	28-08-Jan-2016	Goa
88.	Managing Resources, Infrastructure and Facilities	07-11-Dec-2015	Pune
89.	Embedded System Design	14-18-Dec-2015	Pune
90.	Planning and Managing Laboratory	21-25-Dec-2015	Pune

एनआईटीटीटीआर भोपाल में आयोजित विभिन्न गतिविधियाँ

संरक्षक : निदेशक, संपादक : प्रो. पी. के. पुरोहित, सहसंपादक : श्री एम.आर. खान

सहयोग : श्रीमती मोहिनी कथूरिया, श्रीमती अनिता लाला, टंकण : श्री विशाल जोशी

आन्तरिक वितरण हेतु राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल द्वारा प्रकाशित एवं भंडारी ऑफसेट प्रिंटर्स द्वारा मुद्रित